MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्र के सत्रीय कार्य
(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणी : इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं। किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–015, एम.पी.ए–016, एम.पी.ए–017, एम.पी.ए–018 एम.एस.ओ–002 और एम.पी.एस–003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	जुलाई 2015 सत्र के लिए 31 मार्च 2016 जनवरी 2016 सत्र के लिए 30 सितंबर 2016	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–015 : लोक नीति और विश्लेषण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. नीति विज्ञान के महत्व की चर्चा कीजिए और समकालीन संदर्भ में लोक नीति में इसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

2. नीति विज्ञान के अध्ययन में लॉसवैल के योगदान का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

3. नीति–निर्माण में नागरिक समाज की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

4. 'नीति–निर्माण और विकास में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।' टिप्पणी कीजिए।

5. भारतीय लोक नीति में वर्तमान बदलाव की चर्चा कीजिए और लोक नीति निरूपण में व्यवरोधों का उल्लेख कीजिए।

भाग–II

6. नीति कार्यान्वयन के पाद–शीर्ष और शीर्ष–पाद दृष्टिकोणों का वर्णन कीजिए और बहु–दृष्टिकोणों को अपनाने की आवश्यकता का औचित्य सिद्ध कीजिए।

7. नीति कार्यान्वयन क्या है? नीति कार्यान्वयन के मार्ग में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं की चर्चा कीजिए।

8. नीति मॉनीटरिंग की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए और प्रभावकारी मॉनीटरिंग के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाइए।

9. न्यायिक निकायों की भूमिका के विशेष संदर्भ में नीति वितरण के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

10. भारत में केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों के विनिवेश की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए और विनिवेश नीति का मूल्यांकन कीजिए।

एम.पी.ए–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के सामाजिक–आर्थिक घटकों की व्याख्या कीजिए और इन्हें मजबूत करने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

2. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के महत्व का वर्णन कीजिए।

3. सशक्तिकरण की संचालन संरचना का विवेचन कीजिए और प्रभावी सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

4. 'सरकार–नागरिक भागीदारी के एक कार्यक्रम के रूप में 'भागीदारी कार्यक्रम' को अच्छे शासन का स्वरूप (मॉडल) कहा जा सकता है।' चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

   (क) विकेंद्रित विकास का नौकरशाही पर प्रभाव
   (ख) संतुलन का सिद्धांत

भाग–II

6. '74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ने नगरपालिकाओं को स्थानीय शासन के प्रभावी संस्थान के रूप में काम करने के लिए सशक्त किया है।' विवेचन कीजिए।

7. पंचायती राज संस्थाओं की संरचना, अधिकार, और कार्यों का वर्णन कीजिए।

8. लघु–स्तरीय आयोजना की सीमाएँ कौन–सी हैं?

9. स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण के महत्व की व्याख्या कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

    (क) जमीनी स्तर के कर्मियों का संस्थागत क्षमता निर्माण
    (ख) स्थानीय शासन में जन आकांक्षाएँ

एम.पी.ए–017 : ई–गवर्नेंस
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. ई–गवर्नेंस की अवधारणा और मॉडलों की चर्चा कीजिए।

2. 'सार्वजनिक संगठनों में सफल ई–गवर्नेंस अनुप्रयोग के लिए परंपरागत प्रशासनिक संस्कृति को रूपांतरित करना पूर्वापेक्षा है।' चर्चा कीजिए।

3. कृषि विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. आंध्र प्रदेश में विभिन्न मॉड्यूलों, जो ई–पंचायत को समर्थित करते हैं, का उल्लेख कीजिए।

5. दूर शिक्षा में एडूसेट की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

6. इलेक्ट्रॉनिक भुगतान पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. भारतीय रेलवे में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

8. 'ई–सेवा परियोजना ने नागरिकों को निर्बाध सेवाएँ उपलब्ध कराना संभव किया है।' टिप्पणी कीजिए।

9. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

10. भारत में ई–गवर्नेंस के प्रभावी कार्यान्वयन में समस्याओं के समाधान के उपायों की चर्चा कीजिए।

एम.पी.ए–018 : आपदा प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015–2016
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. 'आपदाओं को प्राकृतिक और मानव–निर्मित आपदाओं में वर्गीकृत किया जाता है।' चर्चा कीजिए।

2. आपदा चक्र की विभिन्न प्रावस्थाओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

3. 'आपदा प्रबंधन का विकास परिप्रेक्ष्य है।' चर्चा कीजिए।

4. जोखिम आकलन पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. आपदा न्यूनीकरण में प्रमुख समस्या क्षेत्रों की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

6. प्रभावी बचावकर्ता की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

7. राहत वितरण के प्रमुख चरणों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

8. आपात प्रचालन केंद्र की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

9. 'सामान्य लोग प्रथम अनुक्रियाकर्ता होते हैं।' चर्चा कीजिए।

10. आपदा प्रबंधन के बदलते स्वरूप पर एक टिप्पणी लिखिए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%:

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2015–16

भाग क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिए।

1. सामाजिक वास्तविकता को समझने में नारीवादी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवादी विचारों के संबंध में एमिल दुर्खिम के योगदान का वर्णन कीजिए। 25

3. केस अध्ययन विधि क्या है? सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार (scope) की चर्चा कीजिए। 25

4. शोध की ऐतिहासिक विधि का वर्णन कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में सर्वेक्षण विधि के क्षेत्र–विस्तार (scope) की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 25

भाग ख

निम्नलिखित से से किसी *एक* विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

6. भारतीय अर्थव्यवस्था एवं समाज पर पराराष्ट्रीय प्रवसन का प्रभाव 50

7. भारत में युवा वर्ग द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग 50

8. भारतीय समाज में समझौताकारी विवाह में जाति का महत्व 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। रिपोर्ट लेखन, अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए पूरा कीजिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट लेखन का कार्य तुलनात्मक ढाँचें में करें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- अंत में उचित बिंदुओं का उल्लेख करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एमपीएस-003/एएसएसटी/टीएमए/2015–2016
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – क

1. 1947–67 के दौरान भारत में राजनीतिक लोकतंत्र और आर्थिक विकास की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित का लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिएः
   क) योजना का विचार
   ख) कराची का संकल्प

3. सामाजिक असमानता भारत में कैसे राजनीति और विकास की नीतियों को प्रभावित करती है? व्याख्या कीजिये।

4. भारत में संघीय प्रणाली की कार्यप्रणाली की विवेचना कीजिये।

5. उत्तर–पूर्व भारत में नृजातीय राजनीति पर एक निबंध लिखिए।

भाग –ख

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) मीडिया और जनता का मत
   ख) भारतीय लोकतंत्र में चुनाव का महत्व

7. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) भाषा और भारत में राजनीति
   ख) भारत में क्षेत्रवाद का आधार

8. लोकतंत्र के मूल और प्रक्रियात्मक प्रकारों के बीच समानता और अंतरो की परिगणना कीजिए।

9. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ कीजिएः
   क) विकास और लिंग
   ख) भारतीय लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिका

10. समकालीन भारत में किसानों के आंदोलन।